प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 28 अक्टूबर, 2017 को चिकित्सा विश्वविद्यालय के कलॉम सेण्टर में यू0पी0 एसोसिएशन ऑफ ओरल एण्ड मैक्सिलोफेसियल सर्जन्स ऑफ इण्डिया के तीसरे वार्षिक सम्मेलन का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम मे यू0के0 से आये श्री व्योमेश भट्ट द्वारा आधुनिक कम्प्यूटर एसोसिएटेड डिजाईन के माध्यम से (थ्री डी कॉम्पेक्ट) तकनीक का इस्तेमाल कर ओरल और मैक्सिलोफेसियल सर्जरी करने के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा कि इन आधुनीक तकनीको का इस्तेमाल कर हम कम समय मे सर्जरी कर ज्यादा से ज्यादा सफलता प्राप्त कर सकते है। इन तकनीको में हम पहले कम्प्यूटर पर सर्जरी करते है फिर उसका थ्री डी मटेरीयल से ट्रांस्प्लांट किया जाता है। यह तकनीक बहुत ही ज्यादा सफल है और इससे कम समय मे कार्य होता है। श्री व्योमेश ने ये भी बताया कि लंदन में लोग बच्चों के दांतो और जबड़ो की बीमारियों विकारो के प्रति सचेत रहते है इस कारण वहा जबड़ों के विकारों को समय से पहचान लिया जाता है जबकि इंडिया में अभी भी लोग जबड़ो के विकार को बहुत लेट लेकर डॉक्टर के पास जाते है। सम्मेलन में डॉ0 याजाद गांधी, मुम्बई द्वारा यह बताया गया की किस प्रकार कैसे ज्यादा सफलत पूर्वक ट्रांस्प्लांट लगाया जा सकता है। सम्मेलन में डॉ0 धीरेन्द्र इ0एस0आई0 अस्पताल, दिल्ली द्वारा दोनो जबड़ो की खराबी को कैसे सर्जरी के माध्यम से दूर किया जा सकता है इसके बारे में बताया गया।

सम्मेलन का उद्घाटन चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 मदन लाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में प्रो0 विभा सिंह, प्रो0 दिब्या मेहरोत्रा, प्रो0 यू0एस0 पॉल, प्रो0 आर0के0 चक सहित अन्य संकाय सदस्य एवं भारत के विभिन्न प्रांतों से आये प्रतिभागी उपस्थित रहे।